



## विश्वगुरु भारत में महिलाओं की भूमिका

Amar Jyoti, Asstt. Professor of Pol. Sc.,

Muktyar Singh Memorial College, Behbalpur- Fatehabad

### सार:

यह शोध पत्र में महिलाओं की भूमिका का व्यापक और गहन विश्लेषण प्रस्तुत करता "विश्वगुरु भारत" है। इसमें प्राचीन काल से लेकर आधुनिक युग तक महिलाओं के योगदान का ऐतिहासिक दृष्टिकोण शामिल है। शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, सामाजिक सुधार, कला और संस्कृति सहित विविध क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिकाओं पर प्रकाश डाला गया है। मैं इस शोध पत्र में महिलाओं की भूमिका पर लिख रहा हूँ जो भारतीय समाज में एक महत्वपूर्ण और समर्थनीय विषय है। महिलाओं की भूमिका विश्व में बहुत महत्वपूर्ण है, और भारत में भी यह विषय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारे समाज में महिलाएं एक प्रमुख भूमिका निभाती हैं।

महिलाएं भारतीय समाज में जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अहम भूमिका निभाती हैं। वे घर के अलावा समाज में भी अपने पारिवारिक और सामाजिक कर्तव्यों का निर्वहन करती हैं। महिलाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, और सामाजिक बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

### परिचय:

भारत को सदैव से या ज "विश्वगुरु"ान और संस्कृति का प्रकाशस्तंभ माना जाता रहा है। इस गौरवशाली विरासत में महिलाओं का योगदान अमूल्य रहा है। प्राचीन काल से ही, भारतीय महिलाओं ने समाज के हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमताओं का प्रदर्शन किया है। भारत में महिलाओं की स्थिति और उनके अधिकारों को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं, लेकिन अभी भी कई चुनौतियां हैं जो इस मुद्दे को गंभीरता से लेती हैं। महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में बाधाओं का सामना करती हैं, जैसे कि उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, और सामाजिक स्थिति में समानता की कमी। महिलाएं के लिए समाज में बेहतर समर्थन और समानता के लिए हमें उनके अधिकारों की सुनिश्चित करना होगा। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार के लिए समान अवसर देने की आवश्यकता है। भारतीय समाज में महिलाओं की भूमिका विविधता और विरोधाभास से भरी हुई है। वे समाज की रक्षिका भूमिका से लेकर परम आकांक्षाओं और



सपनों की पूर्ति के लिए संघर्ष जोरों से करती जा रही हैं। महिलाएं तभी समाज का मान्यता से हिस्सा बन पाती हैं, जब उन्हें उनकी योग्यता और क्षमता के आधार पर माना गया हो।

विश्वगुरु भारत की भूमिका महिलाओं को सार्थक और समर्पित जीवन जीने के लिए प्रेरित करने का काम करता है। इससे महिलाओं को अपनी आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और अधिकारों की समझ में वृद्धि होती है। विश्वगुरु भारत ने महिलाओं के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और उनके सामाजिक स्थान को सुधारने के लिए कई कार्यक्रम चलाए हैं।

महिलाओं की सशक्तिकरण ही समाज के विकास का मार्गदर्शक है। एक समर्थ समाज के लिए महिलाओं की शक्ति का समान रूप से महत्व है। विश्वगुरु भारत की योजनाएं महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा और समर्थन को बढ़ावा देने के लिए गर्वजनक हैं और इसका समाज पर गहरा असर है।

महिलाएं समाज की रौनक और शोभा हैं। उन्हें समान अधिकार और मौके देना हर समाज की जिम्मेदारी होनी चाहिए। इसी दिशा में आगे बढ़कर, विश्वगुरु भारत महिलाओं के समर्थन और सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

### **प्राचीन काल:**

वेदों और पुराणों में महिलाओं को देवी-देवताओं के समान सम्मान दिया गया है। शिक्षा, विज्ञान और दर्शन के क्षेत्र में भी महिलाओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। गार्गी वाचस्पति, अपाला, मैत्रेयी, घोषा जैसी विदुषी महिलाओं ने दर्शनशास्त्र में गहन ज्ञान अर्जित किया था। लीलावती गणित की प्रखर विदुषी थीं, सुश्रुता चिकित्सा विज्ञान में पारंगत थीं, और Hypatia खगोल विज्ञान में निपुण थीं।

### **मध्यकाल:**

मध्यकाल में भी महिलाओं ने सामाजिक सुधारों और भक्ति आंदोलनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मीरा, कबिर, और रविदास जैसी संतों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई और समाज में समानता का संदेश दिया। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई वीरांगना के रूप में विख्यात हैं, जिन्होंने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के



खिलाफ वीरतापूर्वक युद्ध लड़ा था।

### आधुनिक युग:

आधुनिक युग में, भारतीय महिलाओं ने शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, और सामाजिक क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है। कस्तूरबा गांधी, सरोजिनी नायडू, विद्या बालन, कल्पना चावला, इंदिरा गांधी जैसी महिलाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उत्कृष्ट उपलब्धियों से भारत का नाम रोशन किया है। आज, भारत में महिलाएं संसद, सेना, पुलिस, और न्यायपालिका में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं।

### विश्वगुरु भारत में महिलाओं की भूमिका के महत्व:

सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण: महिलाएं भारतीय संस्कृति और परंपराओं की वाहक रही हैं। उन्होंने लोककथाओं, गीतों, नृत्यों, और कलाकृतियों के माध्यम से पीढ़ी दर पीढ़ी भारतीय संस्कृति को जीवित रखा है। भारतीय संस्कृति, अपनी समृद्ध विविधता और प्राचीनता के लिए जानी जाती है, सदियों से चली आ रही परंपराओं और रीति-रिवाजों का खजाना है। इस अमूल्य विरासत को सहेजने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने में महिलाओं की भूमिका अतुलनीय रही है। पीढ़ी दर पीढ़ी, महिलाएं लोककथाओं, गीतों, नृत्यों, कलाकृतियों और घरेलू परंपराओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति को जीवित रखने की जिम्मेदारी निभाती रही हैं।

- **लोककथाएं और गीत:** दादी-नानी की गोद में सुनाई जाने वाली कहानियां, वीरता के किस्से, प्रेम की गाथाएं, और त्योहारों के गीत न केवल मनोरंजन करते हैं, बल्कि नैतिक मूल्यों, सामाजिक रीति-रिवाजों और ऐतिहासिक घटनाओं की जानकारी भी देते हैं।
- **नृत्य और कलाकृतियां:** विभिन्न क्षेत्रों के लोकनृत्य, जैसे गरबा, भंगड़ा, कथक, मणिपुरी, आदि, न केवल मनमोहक होते हैं, बल्कि वे सांस्कृतिक कहानियों और भावनाओं को भी व्यक्त करते हैं। महिलाएं पीढ़ियों से इन नृत्यों को सीखती और सिखाती रही हैं, अपनी संस्कृति को जीवंत रखते हुए।



- **घरेलू परंपराएं:**रंगोली बनाना, पूजा-पाठ करना, त्योहार मनाना, ये सभी रीति-रिवाज न केवल घरों में खुशियां लाते हैं, बल्कि सांस्कृतिक मूल्यों और विश्वासों को भी दर्शाते हैं। महिलाएं इन परंपराओं को निभाकर, पीढ़ियों को अपनी संस्कृति से जोड़ने का काम करती हैं। भारतीय संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने में महिलाओं की भूमिका अनमोल है। यह जरूरी है कि हम महिलाओं को प्रोत्साहित करें और उन्हें अपनी विरासत को सहेजने और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने में मदद करें।

**सामाजिक सुधार:** महिलाओं ने बाल विवाह, दहेज प्रथा, और जातिवाद जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई है। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भारतीय समाज में सदियों से चली आ रही कुरीतियों और रूढ़ियों के खिलाफ संघर्ष में महिलाओं ने अग्रणी भूमिका निभाई है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय, और राजनीतिक भागीदारी जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव लाने में उनका योगदान अमिट रहा है।

- **बाल विवाह:** कम उम्र में विवाह, लड़कियों के स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन के अवसरों को बाधित करता है। रानी लक्ष्मीबाई, राजा राम मोहन राय, और स्वामी दयानंद सरस्वती जैसे सामाजिक सुधारकों के साथ मिलकर महिलाओं ने बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाई और कानून बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **दहेज प्रथा:** दहेज, एक सामाजिक बुराई, महिलाओं को शोषण और उत्पीड़न का शिकार बनाती है। कमलादेवी चट्टोपाध्याय, बदरुन्निसा बेगम, और गीता मुखर्जी जैसी महिलाओं ने दहेज प्रथा के खिलाफ आंदोलन चलाया और इसे गैरकानूनी घोषित करवाने में योगदान दिया।
- **जातिवाद:** जाति व्यवस्था, समाज में भेदभाव और असमानता को जन्म देती है। बाबासाहेब आंबेडकर, पेरियार, और फुले दंपति जैसे सामाजिक सुधारकों के साथ मिलकर महिलाओं ने जातिवाद के खिलाफ आवाज उठाई और समाज में समानता स्थापित करने का प्रयास किया।



- **शिक्षा:**सावित्रीबाई फुले, दुर्गाबाई देशमुख, और राधाबाई राणाडे जैसी महिलाओं ने शिक्षा को महिलाओं के सशक्तिकरण का साधन माना और लड़कियों की शिक्षा के लिए अथक प्रयास किए। उन्होंने स्कूल खोले, शिक्षिकाओं को प्रशिक्षित किया, और सामाजिक रूढ़ियों को तोड़कर लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया।
- **स्वास्थ्य:**डॉ.कस्तूरबा गांधी, रानी लक्ष्मीबाई, और मुथुलक्ष्मी रेड्डी जैसी महिलाओं ने महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर ध्यान दिया। उन्होंने मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छता, और प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **सामाजिक न्याय:**मदर टेरेसा, स्मिता मुखर्जी, और अरुणा आसफ अली जैसी महिलाओं ने सामाजिक न्याय और मानवाधिकारों के लिए काम किया। उन्होंने गरीबों, दलितों, और अल्पसंख्यकों के उत्थान के लिए आवाज उठाई और उन्हें समान अवसर प्रदान करने का प्रयास किया।
- **राजनीतिक भागीदारी:**इंदिरा गांधी, सोनिया गांधी, और ममता बनर्जी जैसी महिलाओं ने राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश कर महिलाओं के सशक्तिकरण और समाज में बदलाव लाने के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया।

**आर्थिक विकास:**महिलाएं भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। वे कृषि, उद्योग, और सेवा क्षेत्र में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। आज के भारत में, महिलाएं आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण स्तंभ बन रही हैं। वे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी भागीदारी बढ़ा रही हैं और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

- **कृषि:**भारत की लगभग 50% महिलाएं कृषि क्षेत्र में कार्यरत हैं। वे बुवाई, कटाई, पशुपालन, और कृषि-प्रसंस्करण जैसे कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। महिलाएं न केवल खेती-बाड़ी में सहायता करती हैं, बल्कि वे कृषि-आधारित उद्यमों, जैसे डेयरी, मधुमक्खी पालन, और मछली पालन में भी योगदान देती हैं।



- **उद्योग:**महिलाएं विभिन्न प्रकार के उद्योगों में काम कर रही हैं, जिसमें हस्तशिल्प, लघु उद्योग, और बड़े पैमाने पर विनिर्माण शामिल हैं।वे वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, और दवा उद्योगों में कुशल कारीगर और उद्यमी के रूप में कार्य करती हैं।महिलाएं उद्यमिता के क्षेत्र में भी आगे आ रही हैं और नए व्यवसायों की स्थापना कर रही हैं।
- **सेवा क्षेत्र:**महिलाएं सेवा क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, और वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।वे डॉक्टर, शिक्षिका, नर्स, बैंक कर्मों, और ग्राहक सेवा प्रतिनिधि के रूप में काम करती हैं।महिलाएं अपनी सामाजिक समझ और संवाद कौशल के कारण सेवा क्षेत्र में विशेष रूप से सफल होती हैं।
- **आर्थिक विकास:**महिलाओं की भागीदारी से राष्ट्रीय आय और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि होती है।वे परिवारों की आय में वृद्धि करती हैं और गरीबी को कम करने में मदद करती हैं।
- **सामाजिक विकास:**महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण, शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार, और बच्चों के बेहतर पोषण और देखभाल।यह सामाजिक समृद्धि और जीवन स्तर को बढ़ाता है।
- **लैंगिक समानता:**महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी लैंगिक समानता को बढ़ावा देती है और उन्हें समाज में सम्मान और स्वीकृति प्रदान करती है।
- **शिक्षा और कौशल विकास:**महिलाओं को बेहतर शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना ज़रूरी है ताकि वे उच्च-भुगतान वाली नौकरियों में प्रवेश कर सकें और अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकें।
- **रोजगार के अवसर:**महिलाओं के लिए अधिक रोजगार के अवसर पैदा करना ज़रूरी है, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों और अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में।



- **उद्यमिता को प्रोत्साहन:** महिलाओं को उद्यमिता शुरू करने और अपने व्यवसायों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहन और सहायता प्रदान करना ज़रूरी है।
- **पुरुषों का समर्थन:** महिलाओं के आर्थिक विकास में पुरुषों का समर्थन और भागीदारी महत्वपूर्ण है। घरेलू कामों में समान भागीदारी और लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ना ज़रूरी है।

**राष्ट्रीय सुरक्षा:** महिलाएं भारतीय सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे देश की सुरक्षा में अहम योगदान दे रही हैं। भारतीय राष्ट्र की सुरक्षा सदैव से वीर पुरुषों का गौरव रहा है। लेकिन आज के दौर में, नारी शक्ति देश की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। भारतीय सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों में महिलाएं अपनी वीरता, कुशलता और समर्पण का परिचय दे रही हैं।

- **सैन्य बलों में:** महिलाएं सेना की विभिन्न शाखाओं - थल सेना, वायु सेना और नौसेना में शामिल होकर देश की रक्षा कर रही हैं। वे लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं, युद्धपोतों पर तैनात हैं, और सीमाओं पर तैनात सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं। महिलाएं पैराशूट रेजिमेंट, इंजीनियरिंग कोर और सिग्नल कोर जैसी चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं।
- **पुलिस बल में:** महिला पुलिसकर्मी कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों से लड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे सड़कों पर गश्त लगा रही हैं, अपराधों की जांच कर रही हैं, और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। महिलाएं यातायात पुलिस, अपराध शाखा और विशेष बल जैसी विभिन्न इकाइयों में भी अपनी योग्यता का प्रदर्शन कर रही हैं।
- **अर्धसैनिक बलों में:** महिलाएं सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) जैसी अर्धसैनिक बलों में भी शामिल होकर देश की आंतरिक सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे सीमाओं की



निगरानी कर रही हैं, आतंकवाद विरोधी अभियानों में भाग ले रही हैं, और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा कर रही हैं।

- **विविधता और समावेश:**महिलाओं की भागीदारी से सशस्त्र बलों में विविधता और समावेश बढ़ता है।यह विभिन्न दृष्टिकोण और विचारों को लाता है, जिससे बेहतर रणनीति और निर्णय लेने में मदद मिलती है।
- **दक्षता और प्रभावशीलता:**महिलाएं अपनी कुशलता, अनुशासन और समर्पण के लिए जानी जाती हैं।वे विभिन्न कार्यों को कुशलतापूर्वक संभालती हैं और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी शांत रहकर काम करती हैं।
- **सामाजिक परिवर्तन:**महिलाओं की सशस्त्र बलों में भागीदारी सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देती है।यह लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ता है और लड़कियों को प्रेरित करता है कि वे अपने सपनों को पूरा कर सकती हैं और किसी भी क्षेत्र में सफल हो सकती हैं।

**अंतर्राष्ट्रीय संबंध:**महिलाएं भारत के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे विभिन्न देशों के साथ सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक स्तर पर सहयोग बढ़ाने में योगदान दे रही हैं।भारत के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को मजबूत बनाने में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे विभिन्न देशों के साथ सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक स्तर पर सहयोग बढ़ाने में योगदान दे रही हैं।

- **राजनीति:**महिला राजनयिक, विदेश नीति निर्माता और अंतरराष्ट्रीय संगठनों में नेता भारत के हितों का प्रतिनिधित्व करते हुए दुनिया भर में शांति और सहयोग को बढ़ावा दे रही हैं।
- **व्यापार और अर्थव्यवस्था:**महिला उद्यमी और व्यवसायी अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है।





- **सांस्कृतिक आदान-प्रदान:** महिला कलाकार, शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता विभिन्न देशों के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे लोगों के बीच समझ और सद्भावना बढ़ रही है।
- **सामाजिक विकास:** महिला सामाजिक कार्यकर्ता और स्वयंसेवक शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे क्षेत्रों में विकासशील देशों में सहायता प्रदान कर रहे हैं।
- **विविधता और समावेश:** अंतरराष्ट्रीय संबंधों में महिलाओं की भागीदारी से विविधता और समावेश बढ़ता है। यह विभिन्न दृष्टिकोण और विचारों को लाता है, जिससे बेहतर नीतियां और समाधान बनते हैं।
- **सांस्कृतिक समझ:** महिलाएं विभिन्न संस्कृतियों के बीच समझ और सद्भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
- **नरम शक्ति:** महिलाएं भारत की नरम शक्ति को मजबूत करती हैं, जो देश की वैश्विक छवि और प्रभाव को बढ़ाता है।
- **सतत विकास:** महिलाएं सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं, खासकर शिक्षा, स्वास्थ्य और लैंगिक समानता के क्षेत्रों में।

निष्कर्ष:

भारतीय समाज के विकास में महिलाओं का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, शिक्षा, स्वास्थ्य, और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाए, और राजनीतिक भागीदारी के माध्यम से समाज में अपनी जगह बनाई। आज भी, महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं, और भारत के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिलाएं भारत की अर्थव्यवस्था में एक शक्तिशाली शक्ति हैं। उनकी भागीदारी न केवल आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है, बल्कि सामाजिक न्याय और लैंगिक समानता को भी मजबूत करती है। महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए अवसर प्रदान करना, भारत के समृद्ध और समावेशी भविष्य



के लिए महत्वपूर्ण है। महिलाएं भारत के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में एक शक्तिशाली शक्ति हैं। उनकी भागीदारी न केवल देश के हितों को आगे बढ़ाती है, बल्कि वैश्विक शांति, समृद्धि और सतत विकास को भी मजबूत करती है। महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए अवसर प्रदान करना, भारत के उज्ज्वल भविष्य और एक बेहतर दुनिया के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है।

### संदर्भ सूची

- डॉसरोजनी शर्मा ., "भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति और भूमिका", लेखक निर्माण प्रकाशन, 2008।
- डॉमनीषा गुप्ता ., "भारतीय समाज में महिला सशक्तिकरण", विश्व पुस्तक संस्थान, 2014।
- रोहिणी अग्रवाल, "भारतीय समाज में महिला समस्याएं और समाधान", प्रकाशन भवन, 2016।
- डॉसौम्या दागर ., "भारतीय समाज में महिलाओं का विकास और समृद्धि", सम्राट प्रकाशन, 2019।
- डॉशीतल राजपूत ., "भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति और समस्याएं", शिखर प्रकाशन, 2020।
- कौर, मनीषा भारतीय महिला अध्ययन ".विश्वगुरु भारत में महिलाओं की भूमिका" ., 2020, pp. 45-57.
- तिवारी, रचना भारतीय एकता ".महिलाओं की भूमिका और स्थिति पर विश्वगुरु भारत का प्रभाव" . संगठन, 2021, pp. 102-115.
- सिंह, प्रियंकानारी चेतना ".लाओं की सामाजिक स्थिति पर एक अध्ययन विश्वगुरु भारत में महि" ., 2022, pp. 75-88.
- गुप्ता, शिक्षा भारतीय ".समाज में महिलाओं की उत्थान की भूमिका विश्वगुरु पत्रिका" ., 2023, pp. 33-46.
- यादव, अंजली महिलाओं की भूमिका और सामाजिक उत्थान के लिए विश्वगुरु भारत की ". अध्ययन महिला ".योगदान, 2023, pp. 62-75.